श्री सरस्वतीमाता की आरती

कज्जल पुरित लोचन भारे, स्तन युग शोभित मुक्त हारे ।
वीणा पुस्तक रंजित हस्ते, भगवती भारती देवी नमस्ते॥
जय सरस्वती माता ,जय जय हे सरस्वती माता ।
दगुण वैभव शालिनी ,त्रिभुवन विख्याता॥
जय चंद्रवदनि पदमासिनी ....., घुति मंगलकारी ।
सोहें शुभ हंस सवारी,अतुल तेजधारी ॥
जय बायेँ कर में वीणा .....,दायें कर में माला ।
शीश मुकुट मणी सोहें ,गल मोतियन माला ॥
जय देवी शरण जो आयें .....,उनका उद्धार किया ।
पैठी मंथरा दासी, रावण संहार किया ॥
जय विद्या ज्ञान प्रदायिनी ....., ज्ञान प्रकाश भरो ।
मोह और अज्ञान तिमिर का जग से नाश करो ॥
जय धुप .....,दिप फल मेवा माँ स्वीकार करो ।
ज्ञानचक्षु दे माता , भव से उद्धार करो ॥
जय माँ सरस्वती जी की आरती जो कोई नर गावें .....|
हितकारी ,सुखकारी ग्यान भक्ती पावें ॥
जय जय सरस्वती माता .....,जय जय हे सरस्वती माता ।
सदगुण वैभव शालिनी ,त्रिभुवन विख्याता॥
जय बिन मांगे मोती मिले मांगे मिले ना भीख.....|